अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029
विज्ञापन सं.02/2022-(संकाय प्रकोष्ठ)-संविदा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा एक वर्ष की अवधि हेतु अथवा वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने तक, जो भी पहले हो, **संविदा आधार** पर निम्नलिखित संकाय पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे:-

क्र.सं.	पदनाम	विभाग/केंद्र/ब्लॉक का नाम	अनारक्षित	ई. डब्ल्यू. एस.	अ.ज.	अ.ज.जा.	अ. पि. व.	कुल	साक्षात्कार की तिथि
01.	सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान	हृदय वाहिका विकिरण विज्ञान एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन (सी.टी.सी.)	-	01	01	-	02	04	21.11.2022
02.	सहायक आचार्य, तंत्रिका विकिरण विज्ञान	तंत्रिका विकिरण विज्ञान (एन.एस.सी.)	-	-	01	-	-	01	
03.	सहायक आचार्य, विकिरण निदान	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र	-	-	01	-	-	01	22.11.2022
04.	सहायक आचार्य, विकिरण निदान	डॉ. भीम राव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल	-	-	01	-	03	04	
05.	सहायक आचार्य, विकिरण विज्ञान	एन.सी.आई., झज्जर	02	01	01	-	04	08	
06.	सहायक आचार्य, विकिरण निदान	मुख्य	02	-	-	01	-	03	
07.	सहायक आचार्य, रक्त-आधान चिकित्सा	एन.सी.आई., झज्जर	-	-	-	-	01	01	29.11.2022

08.	सहायक आचार्य, प्रजनन जीव विज्ञान	प्रजनन जीव विज्ञान	01	-	-	-	-	01	
09.	सहायक आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान	एन.सी.आई., झज्जर	-	-	01	-	01	02	
10.	सहायक आचार्य, शल्यक अर्बुदविज्ञान	डॉ. भी. रा. अं. सं. रो. कैं. अ.	01	-	-	-	-	01	30.11.2022
11.	सहायक आचार्य	नर्सिंग महाविद्यालय	02**	-	-	-	-	02	01.12.2022
12.	सहायक आचार्य, हृद रोग विज्ञान	हृद रोग विज्ञान (सी.टी.सी.)	-	-	-	-	02	02	02.12.2022
13.	सहायक आचार्य, हृद संवेदनाहरण	सी.टी.सी	-	-	01	-	01 (पी.डब्ल्यू. बी.डी.)	02	
14.	सहायक आचार्य, नाभिकीय चिकित्सा	मुख्य	-	-	-	-	01	01	5.12.2022
15.	सहायक आचार्य, नाभिकीय चिकित्सा	एन.सी.आई., झज्जर	-	-	-	-	01	01	
16.	सहायक आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान	एन.सी.आई, झज्जर	02	-	-	-	-	02	15.12.2022
17.	सहायक आचार्य, विकिरण अर्बुदविज्ञान	एन.सी.आई., झज्जर	01	-	-	-	-	01	16.12.2022
18.	सहायक आचार्य, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	01	-	-	-	01	02	

19.	सहायक आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	02*	-	-	-	--	02	17.12.2022
20.	सहायक आचार्य, काय चिकित्सा	मुख्य	01	-	-	-	01	02	
	कुल		12	02	06	02	18	43	

* क्र.सं. 19 पर जठरांत्र रोग विज्ञान के सहायक आचार्य का 01 पद (अनारक्षित) **"छुट्टी रिक्ति" के विरूद्ध है**, जब तक कि पदधारी पुन: कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेता है।

** क्र.सं. 11 में नर्सिंग महाविद्यालय के सहायक आचार्य के दो पद (अनारक्षित) **"छुट्टी रिक्ति/धारणाधिकार" के विरूद्ध है** जब तक कि पदधारी पुन: कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेता है।

वेतन:- सहायक आचार्य: रुपये 1,42,506/- प्रति माह (समेकित)
सह-आचार्य, नर्सिंग महाविद्यालय: रुपये 67,700/- प्रतिमाह (समेकित)

अधिकतम आयु सीमा :
50 (पचास) वर्ष। तथापि, सरकारी कर्मचारियों, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए 5 वर्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 3 वर्ष तथा पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए 5 वर्ष तक की छूट इस शर्त के अधीन है कि निर्णायक तिथि पर आवेदक की अधिकतम आयु 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग को अनारक्षित पदों पर आयु संबंधी कोई छूट नहीं दी जाएगी। पीडब्ल्यूबीडी को आयु में छूट इस तथ्य को जानने के बाद स्वीकार्य होगी कि पद पीडब्ल्यूबीडी के लिए आरक्षित है अथवा नहीं।

आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवार :
(क) दिनांक 31.01.2019 के कार्यालय ज्ञापन सं. 36039/1/2019-स्था. (आ.) ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत विज्ञापित रिक्तियां डीओपीटी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश के अनुसार हैं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र जमा करने के बाद ही ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत किए गए आवेदन पर विचार किया जाएगा। अत: ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना अपेक्षित है कि उनके पास कार्यालय ज्ञापन सं.36039/1/2019-स्था.(आ.) दिनांक 31.01.2019 के अनुसार आवेदन के वर्ष से पहले वित्तीय वर्ष के लिए सभी स्रोतों से आय प्रदर्शित करते हुए वॉक-इन-इंटरव्यू की तारीख को या उससे पहले एक वैध ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र है।

(ख) सभी उम्मीदवारी को निम्नलिखित शर्तों के अधीन ईडब्ल्यूएस के लिए निर्धारित पदों पर आवेदन की अनुमति है:-

i) उनकी उम्मीदवारी पर तभी विचार किया जाएगा जब ईडब्ल्यूएस आवेदक उपलब्ध अथवा फिट न हों।

ii) उनकी उम्मीदवारी केवल सामान्य उम्मीदवारों के रूप में होगी, जिसका अर्थ है कि विशिष्ट श्रेणियों के तहत प्रदान की जाने वाली कोई छूट नहीं दी जाएगी।

(ग) जो उम्मीदवार वैध ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं, उन्हें इस श्रेणी के तहत दिए जाने वाले आरक्षण पर विचार नहीं किया जाएगा। तथापि, उन्हें सामान्य श्रेणी का उम्मीदवार माना जाएगा।

<u>अन्य पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार:</u>

- वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान रिक्तियों का विज्ञापन किया जा रहा है, अत: वित्तीय अवधि 2022-23 के दौरान जारी एनसीएल-अ.पि.व. प्रमाणपत्र को मान्य माना जाएगा। इसलिए, उम्मीदवारों को दिनांक 01.04.2022 को अथवा उसके बाद जारी एक वैध अ.पि.व. प्रमाण पत्र या तो वॉक-इन-इंटरव्यू के दिन या पद ग्रहण करने की तिथि से पहले या उनके चयन की स्थिति में प्रस्तुत करना होगा। अ.पि.व. श्रेणी के तहत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रदान किए गए प्रारूप में तथा कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-स्था.(आरईएस) दिनांक 30.05.2014 के माध्यम से वैध जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। केंद्रीय सरकारी संस्थान में रोजगार के लिए प्रमाण पत्र मान्य होना चाहिए। अ.पि.व. उम्मीदवार की पात्रता, सरकार की केंद्रीय सूची में शामिल जातियों के आधार पर होगी। अ.पि.व. प्रमाणपत्र में स्पष्ट रूप से यह दिखाना होगा कि आवेदक क्रीमी लेयर से संबंधित नहीं है।

<u>अनुसूचित जाति/अनुसूचति जनजाति / पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार</u> :

- किसी भी आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करने वाले उम्मीदवार, अर्थात् अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूबीडी को साक्षात्कार के समय एक निर्धारित प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

<u>अनापत्ति प्रमाण पत्र</u>:

- वर्तमान नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण पत्र (सरकारी / अर्ध या अर्ध-सरकारी, सरकारी उद्यमों या सरकार द्वारा वित्तपोषित स्वायत्त संस्थानों में नियमित आधार पर काम करने वाले उम्मीदवारों के मामले में) अनिवार्य है अन्यथा, पद के लिए उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा। अनापत्ति प्रमाण पत्र उन कर्मचारियों के लिए आवश्यक नहीं है जो संविदा आधार पर/निजी क्षेत्र में काम कर रहें हैं।
- उम्मीदवारों को वॉक-इन-इंटरव्यू के दिन 2 नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो लाने होगें।
- **<u>डीएनबी तुल्यता</u>:**

  ऐसे उम्मीदवार जिनके पास अर्हक डिग्री के रूप में ब्रॉड स्पेशियल्टी अथवा सुपर स्पेशियल्टी में डी.एन.बी. की डिग्री है, उन्हें दिनांक 14.02.2022 की एम.एन.सी. की अधिसूचना के अनुसार एम.डी. / एम.एस. / डी.एम. / एम.सी.एच. के साथ डीएनबी की समकक्षता के बारे में सक्षम / उचित प्राधिकारी के द्वारा जारी दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

- आयु के दावे के समर्थन में जन्मतिथि दर्शाने वाला मैट्रिक/10वीं कक्षा या समकक्ष प्रमाणपत्र जिसमें जन्मतिथि, अथवा केन्द्र/राज्य बोर्ड द्वारा जारी मैट्रिक/10वीं कक्षा अथवा समकक्ष की अंकतालिका हो यदि जन्मतिथि, संबंधित शैक्षिक बोर्ड द्वारा जारी प्रमाणपत्र अंकतालिका में उपलब्ध नहीं है, विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र, जन्मतिथि सहित (तमिलनाडु और केरल के मामले में) संलग्न करें।

<u>शैक्षिक अर्हता प्रमाण पत्र</u> :

i) आवेदन किए गए पद के लिए भर्ती नियमों के अनुसार शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किए जाने चाहिए। समकक्ष शैक्षणिक योग्यता रखने वालों के मामले में, दावा किए गए समकक्ष शैक्षणिक योग्यता के संबंध में, यदि कोई उम्मीदवार विज्ञापन की आवश्यकताओं के अनुसार समकक्ष अर्हता के रूप में किसी विशेष योग्यता का दावा करता है, तो उसे अनिवार्य अर्हता में समकक्ष योग्यता के संदर्भ में आदेश / पत्र, जिसमें प्राधिकारी (संख्या और तारीख के साथ) को दर्शाया गया है जिसके अंतर्गत वह अर्हता प्राप्त की गई है, को प्रस्तुत करना होगा।

<u>अनुभव प्रमाणपत्र</u> :

i) अनुभव प्रमाण पत्र संगठन (संगठनों)/प्रशासन के प्रमुख (प्रमुखों) द्वारा प्रदान किया गया हो जिसमें दावे किए गए अनुभव की पूर्ण अवधि (कब से कब तक), अनुभव की प्रकृति (शिक्षण और/अथवा अनुसंधान) आदि का स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए। शिक्षण अनुभव जो एमसीआई/एनएमसी/डीसीआई/नर्सिंग काउंसिल/स्टेट नर्सिंग कांउसिल/मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो भी लागू हो और लागू पद के लिए अपेक्षित योग्यता के बाद हासिल किया गया हो, पर विचार किया जाएगा।

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के संबंध में प्रत्यक्ष भर्ती हेतु अनुभव योग्यता में छूट, आरक्षित पदों की संख्या और चयन समिति को ध्यान में रखते हुए, सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर निर्भर है। सामान्य तौर पर, 2-3 वर्ष के अनुभव के लिए एक वर्ष की छूट और 5-8 वर्ष के निर्धारित अनुभव के मामले में 2-3 वर्षों की छूट की अनुमति दी जा सकती है।

- आपको अपने कार्य/प्रमुख उपलब्धियों पर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन**(केवल आपके पीपीटी युक्त सीडी/पेनड्राइव)** के साथ तैयार होकर आना होगा, जिसमें निम्नलिखित पहलूओं (4 स्लाइड्स) को दर्शाया गया हो किन्तु जिसकी अवधि पांच मिनट से अधिक न हो:-
  - i) पहली स्लाइड केवल आपके नाम और पद आवेदन हेतु
  - ii) सेवा/नवाचार (एक स्लाइड)
  - iii) अनुसंधान/प्रकाशन (एक स्लाइड) तथा
  - iv) प्रमुख सम्मान/पुरस्कार (एक स्लाइड)

- **संबंधित पद हेतु भर्ती नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा, अनिवार्य अर्हता एवं अुनभव के सहित ऊपर दिए गए जाति प्रमाणपत्र/ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की वैधता पर विचार करने हेतु कट-ऑफ तिथि वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि होगी।**
- **निर्धारित अनुभव की अवधि की गणना की जाएगी, जो निर्धारित योग्यता उत्तीर्ण करने के बाद अर्जित की गई थी।**
- उपर्युक्त रिक्तियां अनंतिम है तथा इनमें परिवर्तन किया जा सकता है। निदेशक, एम्स, नई दिल्ली को रिक्तियों में बदलाव करने का अधिकार है।

निर्धारित अर्हता/अनुभव तथा नियम एवं शर्तों के साथ आवेदन पत्र संस्थान की वेबसाइट www.aiims.edu पर क्रमश: "नोटिस" एवं "भर्ती" शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध हैं। सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले इच्छुक उम्मीदवार, अर्हता एवं अनुभव संबंधी प्रमाणपत्र/ शंसापत्र की विधिवत रूप से सत्यापित प्रतियों तथा मूल प्रमाणपत्र/शंसापत्र की विधिवत सत्यापित प्रतियों सहित तथा अपने कार्य/प्रमुख उपलब्धियों पर एक पावरपाइंट प्रेजेटेंशन पांच मिनट से अधिक नहीं (केवल आपके पीपीटी युक्त सीडी/पेनड्राइव) के साथ मूल प्रमाणपत्र/प्रशंसापत्र, आदि सहित निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन के साथ वॉक-इन-इंटरव्यू की तिथि पर **प्रात: 8.30 तक** (निदेशक, एम्स, नई दिल्ली के कार्यालय के निकट समिति कक्ष) में वॉक-इन-इंटरव्यू तथा प्रमाणपत्रों के सत्यापन हेतु रिपोर्ट करें। **प्रात: 9:30** बजे के बाद रिपोर्टिंग करने वाले उम्मीदवारों को सत्यापन/वॉक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। **अधिक संख्या में आवेदकों के उपस्थित होने या किसी अन्य कारण से साक्षात्कार की तारीख अगले दिन के लिए बढ़ाए जाने की स्थिति में उम्मीदवार को साक्षात्कार के निर्धारित दिन के बाद एक अतिरिक्त दिन रूकने के लिए तैयार रहना चाहिए।**

निदेशक

एम्स, नई दिल्ली, में संकाय पदों पर संविदा नियुक्ति हेतु नियम एवं शर्तें

1. नियुक्ति विशुद्ध रूप से संविदा आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने तक, जो भी पहले हो, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी है। संस्थान की कार्य आवश्यकता के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संविदा को एक और वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। तथापि, संविदा नियुक्ति को किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष की अवधि से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। यदि संविदा को आगे नहीं बढ़ाया जाता है, तो यह स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार तीन माह की अवधि पूर्ण करने के पश्चात किसी भी पक्ष द्वारा बिना कोई कारण बताए अथवा विफलता दर्शाए बिना एक माह का नोटिस देकर अथवा एक माह के वेतन का भुगतान करके, किसी भी समय नियुक्ति समाप्त की जा सकती है।

2. सहायक आचार्य के पद हेतु समेकित पारिश्रमिक रु. 1,42,506 प्रति माह (समेकित) होगा।

3. सह-आचार्य (नर्सिंग महाविद्यालय) के पद हेतु समेकित पारिश्रमिक रू 67,700/- प्रतिमाह (समेकित) होगा।

4. नियुक्त कार्मिक उसे सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करेगा/करेगी। सक्षम प्राधिकारी को आवश्यकता पड़ने पर कोई भी कार्यभार सौंपने का अधिकार है। ऐसा कार्यभार सौंपने पर कोई अन्य/अतिरिक्त भत्ता स्वीकार्य नहीं होगा।

5. नियुक्त कार्मिक, भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, चिकित्सा उपस्थिति उपचार, वरिष्ठता, पदोन्नति आदि जैसे किसी भी लाभ अथवा नियमित आधार पर नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध किसी भी अन्य लाभ का हकदार नहीं होगा/होगी।

6. नियुक्त कार्मिक को एम्स के किसी भी पद पर नियमित नियुक्ति का कोई दावा अथवा अधिकार प्रदान नहीं किया जाएगा।

7. नियुक्त कार्मिक, एम्स की पूर्णकालिक नियुक्ति पर होगा तथा भुगतान अथवा अन्यथा किसी भी अन्य कार्य को स्वीकार नहीं करेगा/करेगी तथा संविदा की अवधि के दौरान किसी भी प्रकार का निजी व्यवसाय नहीं करेगा/करेगी।

8. उक्त पद पर नियुक्ति हेतु सक्षम चिकित्सा बोर्ड से स्वस्थता प्रमाण पत्र देना होगा जिसके लिए कार्मिक को नामित चिकित्सा प्राधिकारी के पास भेजा जाएगा।

9. नियुक्त कार्मिक के अवकाश की पात्रता कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के कार्यालय ज्ञापन सं. 12016/3/84-स्था.(एल) तथा दिनांक 5 जुलाई, 1990 के संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं. 12016/1/196-स्था.(एल) में निहित निदेशों के अनुसार होगी।

10. साक्षात्कार में भाग लेने तथा नियुक्ति के बाद कार्यग्रहण करने पर नियुक्त कार्मिक किसी भी यात्रा भत्ता (टीए) के लिए हकदार नहीं है।

11. सेवा की अन्य शर्तें समय-समय पर जारी संगत नियमों एवं आदेशों के अनुसार होंगी।

12. यदि उम्मीदवार के द्वारा दी गई कोई घोषणा अथवा दी गई जानकारी गलत सिद्ध होती है अथवा यह पाया जाता है कि उन्होंने जानबूझकर किसी सामग्री, सूचना को छुपाया है, तो वह सेवा से हटाए जाने तथा ऐसी अन्य कार्रवाई के लिए भी उत्तरदायी होगा/होगी जिसे सरकार द्वारा उचित समझा जाए।

13. नियुक्त कार्मिक एम्स, नई दिल्ली, के नियमित/स्थायी संकाय सदस्यों को दिए जाने वाले किसी भी भत्ते/सुविधाओं का लाभ उठाने का हकदार नहीं होंगे/होंगी।

14. एम्स, नई दिल्ली के पास रिक्तियों की संख्या बढ़ाने अथवा कम करने का अधिकार सुरक्षित है।

########

सहायक आचार्य (संविदात्मक) के विज्ञापित पदों हेतु अनिवार्य अर्हता एवं अनुभव-

क्रम.सं.	पद का नाम	पद हेतु अनिवार्य अर्हता एवं अनुभव
01	सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान	(i) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 की अनुसूची I एवं II अथवा तीसरी अनुसूची के भाग II में शामिल एक चिकित्सीय अर्हता (तीसरी अनुसूची के भाग-II में शामिल अर्हताओं को प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को अधिनियम की धारा 13(3) में निर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना अनिवार्य है।) (ii) हृद विकिरण में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के पश्चात् 2 वर्षीय अथवा 3 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री। (iii) हृद विकिरण में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के पश्चात 2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में एक साल का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, हृद विकिरण में डी.एम. की 3 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
02	सहायक आचार्य, तंत्रिका विकिरण विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) तंत्रिका विकिरण विज्ञान में डी. एम. (एम.बी.बी.एस. के बाद 2 वर्षीय अथवा 3 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) तंत्रिका विकिरण विज्ञान में डी. एम. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में एक वर्ष का शिक्षण तथा/ अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, तंत्रिका विकिरण विज्ञान में डी.एम. की 3 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।

03-06	सहायक आचार्य, विकिरण निदान/विकिरण विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता अर्थात् विकिरण निदान में डी.एम. अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री। **तथा/अथवा** (iii) विकिरण निदान में एम.डी. अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में तीन साल का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
07	सहायक आचार्य, रक्त आधान चिकित्सा	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता अर्थात् रक्त आधान चिकित्सा में एम.डी. अथवा रक्त बैंकिंग अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री। (iii) रक्त आधान में एम.डी. अथवा रक्त बैंकिंग अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री प्राप्त करने के बाद किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से रक्त आधान के नैदानिक आयाम एवं प्रतिरक्षा-विज्ञान, रूधिर विज्ञान, फ्रैक्शेनेशन तकनीक सहित रक्त बैंक में तीन वर्षों का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
08	सहायक आचार्य, प्रजनन जीव विज्ञान	**<u>मेडिकल अभ्यर्थियों हेतु</u>** (i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता, अर्थात् प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान अथवा शरीर क्रिया विज्ञान अथवा शरीर रचना विज्ञान में एम.डी. अथवा मानव प्रजनन विज्ञान के क्षेत्र में समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान अथवा शरीर क्रिया विज्ञान अथवा शरीर रचना विज्ञान में एम.डी. की अर्हक डिग्री अथवा मानव प्रजनन विज्ञान के क्षेत्र में अर्हता प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में तीन वर्ष का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।

		<u>गैर-मेडिकल अभ्यर्थियों हेतु</u> (i) स्नातकोत्तर अर्हता अर्थात् प्रजनन जीव विज्ञान अथवा जीव विज्ञान अथवा शरीर क्रिया विज्ञान अथवा शरीर रचना विज्ञान में मास्टर की डिग्री अथवा मानव प्रजनन विज्ञान के क्षेत्र में मान्यता प्राप्त अर्हता। (ii) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री। (iii) डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् संबंधित विशेषज्ञता वाले विषय/अनुशासन में मान्यता प्राप्त संस्थान में तीन वर्षों का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
09	सहायक आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता अर्थात् सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.डी. अथवा उक्त विषय/अनुशासन में मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री। (iii) सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.डी. अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में तीन का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
10	सहायक आचार्य, शल्यक अर्बुदविज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) शल्यक अर्बुदविज्ञान में एम.सी.एच. (दो वर्ष अथवा तीन वर्ष अथवा पांच वर्ष अथवा छः वर्ष का मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) शल्यक अर्बुद विज्ञान में एम.सी.एच. की डिग्री (2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद विषय विशेष में मान्यता प्राप्त संस्थान में एक वर्षीय शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, शल्यक अर्बुद विज्ञान में एम.सी.एच. की 3 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
11	सह-आचार्य, नर्सिंग	(i) मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से नर्सिंग में मास्टर डिग्री।

		(ii) पंजीकृत नर्स और मिडवाइफ। (iii) शल्यक अर्बुदविज्ञान में एम.सी.एच. की डिग्री (2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद विषय विशेष में मान्यता प्राप्त संस्थान में एक वर्षीय शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, शल्यक अर्बुदविज्ञान में एम.सी.एच. की तीन वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
11	सह-आचार्य, नर्सिंग	(i) मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय से नर्सिंग में मास्टर डिग्री। (ii) पंजीकृत नर्स और मिडवाइफ। (iii) नर्सिंग में कम से कम दो वर्षीय शिक्षण अनुभव के साथ पांच वर्षों का अनुभव।
12	सहायक आचार्य, हृद रोग विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद संख्या 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) हृद विज्ञान में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के पश्चात् 2 वर्षीय अथवा 3 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) हृद विज्ञान में डी.एम. की डिग्री (एम.बी.बी.एस. के पश्चात् 2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के पश्चात् विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में एक वर्ष का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, हृद विज्ञान में डी.एम. की 3 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
13	सहायक आचार्य, हृद-संवेदनाहरण	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) हृद-संवेदनाहरण में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के पश्चात 2 वर्षीय अथवा 3 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री। (iii) हृद-संवेदनाहरण में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के

		पश्चात 2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में एक साल का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, हृद संवेदनाहरण में डी.एम. की 3 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
14 एवं 15	सहायक आचार्य, नाभिकीय चिकित्सा	(i) उपर्युक्त पद कोड 01 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) स्नातकोत्तर अर्हता अर्थात् नाभिकीय चिकित्सा में एम.डी. अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) नाभिकीय चिकित्सा में एम.डी. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद विशेषज्ञता वाले विषय में मान्यता प्राप्त संस्थान में तीन वर्ष का शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
16	सहायक आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड-1 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता, जैसे, विकृति विज्ञान में एम.डी. अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) विकृति विज्ञान में एम.डी. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में तीन वर्ष शिक्षण तथा/ अथवा अनुसंधान का अनुभव। तीन वर्षों के अपेक्षित अनुभव में से कम से कम एक वर्ष का अनुभव रूधिर-अर्बुद-विकृति विज्ञान में होना चाहिए।
17	सहायक आचार्य, विकिरण अर्बुदविज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड-1 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता, अर्थात् विकिरण चिकित्सा में एम.डी.अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) विकिरण चिकित्सा में एम.डी. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में तीन वर्ष शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।

18	सहायक आचार्य, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड-1 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान में एम.डी. अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान में एम.डी. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में तीन वर्ष शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।
19	सहायक आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान	(i) उपर्युक्त पद कोड-1 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) जठरांत्र रोग विज्ञान में डी.एम. (एम.बी.बी.एस. के पश्चात् 2 वर्षीय अथवा 3 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय अथवा 6 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) जठरांत्र रोग विज्ञान में डी.एम. की डिग्री (एम.बी.बी.एस. के पश्चात् 2 वर्षीय अथवा 5 वर्षीय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में एक वर्ष शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव। हालांकि, जठरांत्र रोग विभाग में डी.एम. की तीन वर्षीय अथवा छः वर्षीय मान्यता प्राप्त डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों के लिए अनुभव का होना आवश्यक नहीं है।
20	सहायक आचार्य, काय-चिकित्सा	(i) उपर्युक्त पद कोड-1 में सहायक आचार्य, हृद विकिरण विज्ञान के समकक्ष। (ii) एक स्नातकोत्तर अर्हता, जैसे काय-चिकित्सा में एम.डी.अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता। (iii) काय-चिकित्सा में एम.डी. की डिग्री अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त अर्हता प्राप्त करने के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में विशेषज्ञता वाले विषय में तीन वर्ष शिक्षण तथा/अथवा अनुसंधान का अनुभव।